1. ओ मेरे देश महान्

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।
2. (क) हम अपने देश को प्रणाम करें।
   (ख) खनिजों की खान धरती में छिपी है।
   (ग) सुंदर-सुंदर पशु निर्भय विचरण करते हैं।

लिखिए

1. (क) महान (✓) (ख) गाती है (✓) (ग) बहते हैं (✓)
2. दूर हिमालय बना मुकुट
   तेरे मस्तक पर न्यारा।
   बहती हैं तेरी नदियाँ
   भर-भर अमृत की धारा।
   धरती में तेरी छिपी हुई,
   है खनिजों की खान।
3. (क) हरे खेत उर्वर मिट्टी पर लहराते हैं।
   (ख) भँवरे, कोयल गा-गाकर महान देश के गीत सुनाते हैं।
   (ग) किसान फ़सल देखकर खुश होते हैं।
4. (क) कविता में अपने महान देश की हिमालय के मस्तक पर बना प्यारा मुकुट, अमृत की धारा वाली नदियाँ, धरती में भँवरे-कोयल के गीत, सुंदर वन, झर-झर झरते झरने, निर्भय विचरण करते सुंदर पशु, कलरव करते पक्षियों को महान देश की विशेषताएँ बताया गया है।
   (ख) कविता में ईश्वर से देश की शान बनने की प्रार्थना की गई है।
   (ग) हिमालय को मुकुट इसलिए कहा गया है क्योंकि यह नौ राज्यों में फैले हिमालय का विस्तार देश की 17 प्रतिशत जमीन पर है। इसके 67 प्रतिशत भू-भाग में जंगल है। हिमालय देश के 65 प्रतिशत लोगों के

लिए पानी की आपूर्ति करता है और यह इनकी रोजी-रोटी से जुड़ा है। अपनी विशेष भौगोलिक संरचना के कारण इसे देश का मुकुट कहा गया है।

मूल्याधारित प्रश्न

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दे।

भाषा से

1.	ट	–	टमाटर	ट्रक	ढ	–	ढक्कन	ढोलक
	ठ	–	ठेला	ठठेरा	ड़	–	पहाड़	दहाड़
	ड	–	डलिया	डमरू	ढ़	–	गढ़ना	चढ़ना

2.	जीवन	–	मृत्यु	देवता	–	दानव
	खुशबू	–	बदबू	सुख	–	दुख
	पुष्प	–	काँटे	रात	–	दिन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

- छात्र/छात्राएँ प्रश्न 1-4 का उत्तर स्वयं दें।

5. (1) नीलगिरि, (2) सतपुड़ा, (3) हिमालय, (4) अनामलाई, (5) सहयादि, (6) अरावली

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ स्वयं दो-दो प्रसिद्ध मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे व चर्चों के चित्र एकत्रित कर एक कोलाज तैयार कीजिए।
- दिए गए चित्रों को पहचानो और उनसे संबंधित धर्म का नाम लिखो–

हिंदू

मुस्लिम

सिख

ईसाई

2. अन्याय के विरोध में

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को उच्चारण कर लिखें।
2. (क) जूलिया को लेखक के यहाँ काम करते हुए दो महीने हुए।

   (ख) जूलिया को लेखक की पत्नी ने तीन रूबल दिए थे।

   (ग) लेखक ने अंत में जूलिया को अस्सी रूबल दिए।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (iii) जूलिया (✓) (ख) (iii) दो महीने पाँच दिन (✓)

   (ग) (i) चालीस रूबल (✓)
2. (क) जूलिया का चेहरा पीला पड़ गया।

   (ख) कोल्या चार दिन बीमार रहा।

   (ग) बारह और सात उन्नीस होते हैं।
3. (क) भाई, मैंने कॉपी में सब नोट कर रखा है। (✓)

   (ख) इसके अलावा तुमने आठ छुट्टियाँ और ली हैं? (✗)

   (ग) तुम्हारी लापरवाही के कारण नौकरानी ने वान्या के नए जूते चुरा लिए। (✓)

   (घ) चौदह में से तीन घटा दो तो बचते हैं–तेरह रूबल। (✗)
4. (क) जूलिया ने तनख़्वाह मिलने के बाद लेखक का धन्यवाद इसलिए किया क्योंकि कुछ लोगों ने काम कराने के बाद भी पैसा नहीं दिया जबकि आप कुछ तो दे रहे है।

   (ख) लेखक जूलिया को अन्याय के विरुद्ध लड़ने का सबक सिखाना चाहता है।

   (ग) जूलिया ने जब चुपचाप ग्यारह रूबल ले लिए तब लेखक को क्रोध इसलिए आया क्योंकि उसने उसके पैसे काटकर दिया फिर भी उसने कोई प्रतिरोध भी नहीं किया।

मूल्याधारित प्रश्न

- जूलिया का शांति से सब कुछ सहना मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगता तो भी इसलिए कि उसने पूरी निष्ठा, मेहनत और ईमानदारी से काम किया और उसने पैसे लिए कटा हुआ उसको इस बात का दृढ़ता से विरोध करना चाहिए था मैं इस परिस्थिति में तो कुछ भी बर्दाश्त न करके जोरदार इसका विरोध करता/करती।

भाषा से

1. देवालय भोजनालय शिवालय
   हिमालय कार्यालय
2. (क) छींटा मारना– (ठंडा करना) पिता को क्रोधित देखकर माँ ने शांत किया।
   (ख) गुस्से से उबलना– (क्रोधित होना) रवि के परीक्षा में कम अंक आने पर उसके पिता गुस्से से उबलने लगे।
   (ग) चेहरा पीला पड़ना– (मायूस हो जाना) तनख्वाह का ट लिए जाने की बात सुनकर रवि का चेहरा पीला पड़ गया।
   (घ) आँसू छलक आना– (अत्यधिक खुश होना) परीक्षा में प्रथम आने पर खुशी से आँसू छलक आए।
   (ङ) पानी-पानी होना– (शर्मिंदा होना) नौकरानी घर में चोरी करती हुई रंगे हाथो पकड़ी गई तो वह पानी-पानी हो गई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. छात्र/छात्राएँ कक्षा में इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करें।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं करे– प्रश्न 3, 4, 5

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ कक्षा में अध्यापक के निर्देशानुसार नाटक तैयार करें।

3. परिश्रम का महत्त्व

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (i) ऊँट (✓) (ख) (ii) कौए से (✓)
   (ग) (ii) अपनी तारीफ़ (✓)
2. (क) ऊँट और कौआ दोनों मित्र बन गए।
   (ख) ऊँट ने कौआ की तारीफ़ की।
   (ग) कौए ने ऊँट से अपनी तारीफ़ सुनी तो काँव-काँव करके हँसने लगा।
3.

	किसने	**किससे**
(क)	कौए ने	ऊँट से
(ख)	ऊँट ने	कौए से

4. (क) ऊँट का मालिक उससे दिन-रात काम करवाता था तथा उसे डंडे से मारता था इसलिए ऊँट घर से भागा।
   (ख) ऊँट जंगल में आसपास से हरी पत्तियाँ खता, तालाब का पानी पीता और पेड़ की छाया में आराम करता।
   (ग) ऊँट को जंगल में रहते छह महीने हो गए। अब उसमें चुस्ती नहीं रही। उससे चला भी नहीं जाता। पेट खराब रहने लगा।
   (घ) ऊँट डंडे खाकर भी इसलिए संतुष्ट था क्योंकि उसके मालिक के डंडे उससे परिश्रम करवाते थे जिससे उसके शरीर के अंग स्वस्थ रहते हैं।

मूल्याधारित प्रश्न

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1. तभी पिता जी **के** सहकर्मी वर्मा जी भीड़ **को** चीरते हुए आगे बढ़े। उन्होंने पिता जी **से** सारा माजरा पूछा। फिर होटल **के** मालिक **ने** डाँटते हुए अपनी जेब **से** निकालकर उसके रुपए चुकाए।
2. (क) लोगों की – भीड़
   (ख) जहाजों का – बेड़ा
   (ग) कपड़ों की – गठरी

(घ) कुबेर का – भंडार

(ङ) अनेक ग्रहों का – समूह

(च) नोटों की – गड्डी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. किसी के डर से एक जगह से दूसरी जगह भागना गलत है। इससे आपकी समस्या का समाधान संभव नहीं है आप परिस्थिति का समझदारी तथा बुद्धिमत्ता से सामना करना चाहिए।
2. कौए ने ऊँट से सच्ची मित्रता निभाई ऊँट को खतरे से सावधान करके। मैं भी अपने मित्र के साथ सदैव उसके हित की ही बात करता हूँ। उसको होने वाले नुकसान से सदैव जागरूक करता रहता हूँ।
3. हाँ, ये बात बिल्कुल सही है कि परिश्रम न करने से शरीर के अंग बेकार हो जाते है। शररीर की माँसपेशियाँ शिथिल हो जाती हैं तथा अंग सुचारू रूप से काम करना बंद कर देते है। जैसे अगर कोई मशीन को काफी दिनों तक बंद करके रख दिया जाए तो उसके कल-पुरजों में मुरचा लग जाएगा तथा मशीन जाम हो जाती है और वो काम करना बंद कर देती है।
4. ऊँट पानी के जहाज की तरह रेतीले सैलाब और टीलों पर आसानी से चल सकते हैं और अपनी पीठ पर सवारी के साथ-साथ सामान भी ले जाते है। यही कारण है कि उन्हें 'रेगिस्तान का जहाज' भी कहा जाता है।
5. छात्र/छात्राएँ ऊँट का चित्र बनाकर उसमें उचित रंग भरें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ 'परिश्रम का महत्त्व' शीर्षक पर अपने-अपने विचार लिखे।

4. क्षमा

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।
2. (क) डोरा दीदी अस्पताल में नर्स का काम करती थी।

   (ख) युवक ने डोरा दीदी पर एक बड़े से पत्थर उठाकर प्रहार किया।

(ग) मजदूर युवक एक कोयले की खान में काम करता था जहाँ एक जोरदार धमाका होने से वह घायल हो गया।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (iii) नर्स हैं (✓) (ख) (ii) दुर्भाग्य की मूर्ति (✓)

   (ग) (iv) कोयले की खान में (✓)

2.

	किसने कहा?	**किससे कहा?**
(क)	युवक ने	डोरा दीदी से
(ख)	युवक ने	डोरा दीदी से

3. (क) पत्थर डोरा दीदी के ऊपर फेंका।

   (ख) पत्थर डोरा दीदी के मस्तक पर लगा तथा वहाँ से खून की धारा बह निकली।

   (ग) पत्थर लगने पर वह सदा की तरह शांत रहीं। एक शब्द नहीं बोली। चुपचाप अस्पताल लौट आईं।

4. (क) डोरा दीदी एक प्रसिद्ध नर्स थीं।

   (ख) डोरा दीदी पर पत्थर एक युवक ने फेंका था।

   (ग) धमाका कोयले की खान में हुआ था।

   (घ) दीदी ने युवक की अस्पताल में घायल होने पर भरपूर सेवा की।

5. (क) युवक ने डोरा दीदी को चिल्लाकर कहा, "देखो, दुर्भाग्य की मूर्ति जा रही है। मैं इसे यहाँ नहीं रहने दूँगा।"

   (ख) घायल मजदूरों के साथ नर्सों ने बहुत अच्छा व्यवहार किया। डोरा दीदी तथा उनकी दूसरी सहेलियों ने घायलों की सेवा करने में कुछ नहीं उठा रखा। उन्होंने उनपर बराबर स्नेह की वर्षा की और अपनी सेवा से उनका मन मोह लिया।

   (ग) युवक को पछतावा इसलिए हो रहा था कि उसने जिनको पत्थर मारकर घायल कर दिया था वो ही उनकी भरपूर सेवा कर रही है।

   (घ) अंत में युवक को इस बात पर आश्चर्य हुआ वो यह कि– उसने जिसे पत्थर मारकर घायल किया था तो शायद उसे पहचानती नहीं हों,

लेकिन जब पता चला कि वो उसे पहचानकर के भी उसकी भरपूर सेवा कर रही है। उसे इस बात पर आश्चर्य हुआ।

मूल्याधारित प्रश्न

- हमें दूसरों के साथ सदैव उदारता, प्रेम तथा सहानुभूतिपूर्ण उदारता का व्यवहार करना चाहिए।
- नहीं मैं सभी के साथ सहृदयता तथा प्रेमपूर्ण व्यवहार करता हूँ, किसी के साथ ईर्ष्या, घृणा का व्यवहार नहीं करता हूँ।
- नहीं घृणा करना बिल्कुल भी अच्छी बात नहीं है। सभी से उदारता तथा प्रेमपूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

भाषा से

1. (क) युवक का मुख आश्चर्य से खुला रह गया।
   (ख) डोरा दीदी त्याग, सेवा तथा क्षमा की मूर्ति थीं।
   (ग) राजीव अब तुम सो जाओ।
   (घ) पेड़ पर फल लगे हैं।
   (ङ) स्कूल आज बंद है।
2. (क) बेशकीमती (ख) वादापूर्ति
   (ग) विदेशी (घ) अतिथि
   (ङ) प्रशंसनीय
3.

सुविधा	असुविधा
विश्वास	अविश्वास
स्वीकार	अस्वीकार
सफलता	असफलता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

- 'परोपकार सबसे बड़ा धर्म है।' मैं इस बात से पूर्णतया सहमत हूँ। जब भी जहाँ हो सके दूसरों की भलाई कर देना चाहिए। क्योंकि अच्छा काम करोंगे तो उसका परिणाम भी आपको अच्छा ही मिलेगा। कहा भी गया है– परहित धर्म सरस नहीं भाई। परोपकार सबसे बड़ा धर्म है।

- छात्र/छात्राएँ 'परोपकार' विषय पर 80–85 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।
- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दे।
- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दे।

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दे।

5. मिट्टी फिर भी तो मिटी नहीं

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखे।
2. (क) कवि ने कुम्हार को निर्मम इसलिए कहा क्योंकि वह मिट्टी को कूटता–पीटता रहता है।

   (ख) मिट्टी को गुड़ियों–सी भोली इसलिए कहा गया है कि (इसे) मिट्टी को जिस रूप में चाहो ढाल सकते हों।

   (ग) मिट्टी की अदा से प्रकृति विभिन्न प्रकार से प्रभावित होती है।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) मिट्टी (✓) (ख) सूरज (✓) (ग) मिट्टी (✓)
2. (क) मिट्टी के रोने पर पतझड़ व हँसने पर मधुऋतु छाती है।

   (ख) तांडव मिट्टी के थिरकने से शरमाता है।

   (ग) ठोकर लगने पर मिट्टी छहरा जाती है।
3. (क) मिट्टी को चाहे जितनी बार कूटा–पीटा जाए, बिखेर दिया जाए, पानी में डाल दिया जाए, इसका अस्तित्व कभी समाप्त नहीं होता है, इस प्रकार मिट्टी अविनश्वर है।

   (ख) मिट्टी को चिर उर्वर इसलिए कहा गया है क्योंकि कभी भी कोई भी बीज मिट्टी में डालने पर उसे उत्पन्न कर देती है।

   (ग) मिट्टी में ही मिट्टी की महिमा इसलिए हैं क्योंकि मिट्टी का प्रयोग कई रूपों में होता है, मिट्टी के बर्तन, फ़सल उपजाने में, भवन निर्माण में मिट्टी की महिमा रहती है।

मूल्याधारित प्रश्न

(क)-(ख) छात्र/छात्राएँ स्वयं दे।

भाषा से

1.

पचायत	पंचायत	उन्होने	उन्होंने
गभीर	गंभीर	नही	नहीं
पहुचा	पहुँचा	पडेगी	पड़ेगी
पूछ	पूँछ	उसमे	उसमें

2. (क) कश्मीर के अंदर स्वर्ग है।
   (ख) उसे पत्र के द्वारा सूचित कीजिए।
   (ग) मित्र के पास मत जाओ।
   (घ) कमरे के ऊपर कोई है।
   (ङ) नहाने के पहले मंजन करो।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. 'धरती असीम धैर्यवान है।' यह कथन अक्षरशः सत्य है क्योंकि धरती के सीने को चाहे जितना खोदो, चीरो जिस तरह से चाहो उपयोग करो, लेकिन धरती अपनी सहनशीलता नहीं त्यागती है।
2. 'मिट्टी अविनश्वर है।' यह कथन सत्य है, क्योंकि मिट्टी को चाहे जितना कूटो-पीटो, पानी में मिलाओं, हवा में उड़ाओं इसका अस्तित्व कभी भी समाप्त नहीं होता है इसलिए मिट्टी को अनिवश्वर कहा गया है।
3. **विष्णु के अवतार–**

1. मत्स्य	2. कूर्म	3. वराह	4. नरसिंह
5. वामन	6. परशुराम	7. राम	8. कृष्ण
9. बुद्ध	10. कल्कि		

4. तांडव नृत्य करने के लिए भोले नाथ शिव शंकर देव जाने जाते हैं।
5. छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र में रंग भरें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

6. संगठन की शक्ति

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखे।
2. (क) शक्ति का अर्थ है– बल यानी ताकत।

   (ख) मधुमक्खियों ने उत्तेजित होकर बाघ पर टूट पड़ी।

   (ग) बाघ मधुमक्खियों का सामना इसलिए नहीं कर सका क्योंकि बाघ मधुमक्खियों से घबराकर तालाब में कूद पड़ा, मगर मधुमक्खियाँ वह जैसे ही पानी से मुँह बाहर निकालता उस पर टूट पड़ती है। इसलिए बाघ मधुमक्खियों का सामना नहीं सका।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (iii) ताकत (✓) (ख) (i) मित्र बल की (✓)

   (ग) (iv) ग्यारह (✓)

2.

	किसने कहा?	**किससे कहा?**
(क)	अध्यापक ने	बच्चों से
(ख)	असलम ने	अध्यापक से
(ग)	कैलाश ने	अध्यापक से

3. (क) एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं।

   (ख) मनुष्य सामाजिक प्राणी है।

   (ग) मनुष्य और समाज एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

4. (क) हमारे देश में संगठन को तोड़ने वाली बातें– आपसी फूट व संगठन का अभाव है।

   (ख) संकल्प में मानसिक शक्ति है। ऐसी ही संगठित संकल्प शक्ति के बल पर छोटे-से उत्तरी वियतनाम ने आज के सर्वाधिक शक्तिशाली अमेरिका से लंबे समय तक डटकर लोहा लिया। अपार जन-धन की हानि उठाकर भी अमेरिका वियतनाम को काबू नहीं कर सका। एक छोटे-से राष्ट्र ने अमेरिका की वह किरकिरी की कि उसका गर्व चूर-चूर हो गया।

(ग) शरीर-बल, बुद्धि-बल, धन-बल, संगठन-बल और संकल्प-बल में शारीरिक बल के साथ मनुष्य में बुद्धि बल भी हो तो यह सोने पर सुहागा है।

मूल्याधारित प्रश्न

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1. (क) ग्रह – नक्षत्र (ख) सोना – स्वर्ण
   गृह – घर सोना – निद्रा
   (ग) दिन – समय (घ) प्रमाण – सबूत
   दीन – गरीब प्रणाम – अभिवादन

2.

विशेषण	**विशेष्य**
प्राकृतिक	संपदा
घातक	परिणाम
ऐतिहासिक	घटना
जातीय	सम्मान
संगठित	शक्ति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
2. छात्र/छात्राएँ– 'संघे शक्ति कलियुगे' विषय पर 80-85 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
4. 1. वियतनाम 2. ब्राजील 3. अर्जेंटाइना
   4. कोरिया 5. अमेरिका 6. जापान
   7. चीन 8. मलेशिया

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र स्वयं करें।

7. सूचना क्रान्ति

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।
2. (क) भूमंडलीकरण के इस दौर में सूचना क्रांति के सूत्रधार कहे जाने वाले कम्प्यूटर ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को गति प्रदान की। कम्प्यूटर नेटवर्क ने पूरे विश्व को एक कर दिया है। कम्प्यूटर मनुष्य ने बनाया है। इसे मनुष्य के मस्तिष्क का सर्वाधिक सुसंगठित प्रतिरूप कहा जाता है।

   (ख) आज कम्प्यूटर को दूरसंचार प्रणालियों की आत्मा माना जा रहा है। यह एक ऐसा मंत्र है जो एक सेकंड में हमारे शब्दों को विश्व के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुँचाने की क्षमता रखता है।

   (ग) आज चाहे बैंकिंग व्यवस्था हो या प्रिंट मीडिया में सूचना संप्रेषण की बात हो, मौसम विभाग में मौसम के अनुमान का विषय हो या वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों की कार्यप्रणाली हो, व्यापार सेवा, शिक्षा, मनोरंजन, खोजबीन, रक्षा आदि सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का प्रयोग बहुत आम बात हो गई है।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (i) ईशान (✓) (ख) (ii) सूचना क्रांति (✓)

   (ग) (i) सूचना-प्राद्योगिकी ने (✓)
2. (क) आज जो बात तुम्हें मैंने बताई वह तुम कल किसी और को बताओगे।

   (ख) तुम्हारे कार्य हमारे लिए अभिशाप हैं, और तुम वरदान की बातें करते हो।

   (ग) इसे ज्ञान का विस्फोट कहा जाता है, अज्ञान का नहीं।

   (घ) हार और जीत का फ़ैसला तो आपको करना है।
3. (क) सूचना क्रांति वर्तमान समय के आर्थिक, सामाजिक एवं तकनीकी प्रगति को इंगित करता है जो औद्योगिक क्रांति के अतिरिक्त है।

   (ख) भूमंडलीय मीडिया का सबसे सशक्त माध्यम सूचना प्रौद्योगिकी है, जिसने विश्व को समेट कर 'विश्वग्राम' में परिवर्तित कर दिया है।

इस सूचना प्रौद्योगिकी का चमत्कार है कि आज हम घर बैठे 'विश्व दर्शन' कर सकते हैं।

(ग) सूचना एवं संचार तकनीकी से तात्पर्य उस सूचना संप्रेषण तकनीकि से है जिसके माध्यम से संप्रेषण कार्य अत्यधिक प्रभावी ढंग से संपन्न किया जाता है। इसका संबंध वैज्ञानिक तकनीकि के ऐसे संसाधनों व साधनों से होता है जिसके माध्यम से त्वरित गति से सूचनाओं का प्रभावी योगदान होता है।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कम्प्यूटर और इंटरनेट सूचना संसार का तकनीकी आधार है। संचार प्रौद्योगिकी ने सूचना युग में ऐसी क्रांति ला दी है कि हर छोटे-बड़े के हाथ में सेल-फोन है और परस्पर सूचनाएँ दी जा रही है। दुनिया को मुट्ठी में लाने का काम सूचना प्रौद्योगिकी ने किया है।

(ख) भूमंडलीकरण के इस दौर में सूचना क्रांति के सूत्रधार कहे जाने वाले कम्प्यूटर ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को गति प्रदान की है। कम्प्यूटर नेटवर्क ने पूरे विश्व को एक कर दिया है। कम्प्यूटर मनुष्य ने बनाया है। इसे मनुष्य के मस्तिष्क का सर्वाधिक सुसंगठित प्रतिरूप कहा जाता है।

भाषा से

1. • खड़े-खड़े – वृद्ध को चक्कर आ गया वह खड़े-खड़े गिर गया।
   • गिरते-गिरते – बरसात में पैर फिसलने से राम गिरते-गिरते बचा।
   • ऊँचे-ऊँचे – भारत में बहुत से ऊँचे-ऊँचे पहाड़ है।
   • काले-काले – बरसात में आसमान में काले-काले बादल घिर आते हैं।
   • पढ़ते-पढ़ते – रवि पढ़ते-पढ़ते सो गया।

2.

सूर्य	–	रवि,	दिनकर
आँख	–	नेत्र,	दृग
समुद्र	–	जलधि,	सागर
बगीचा	–	उपवन,	बाग
प्रकाश	–	रोशनी,	उजाला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. बिल्कुल, एक वाक्य में कहूँगा कि सूचना प्रौद्योगिकी नई सदी का अनुपम वरदान है ठीक। बिल्कुल ठीक भूमंडलीय मीडिया का सबसे सशक्त माध्यम सूचना प्रौद्योगिकी है जिसने विश्व को समेटकर 'विश्वग्राम' में परिवर्तित कर दिया है।
2. आज चाहे बैंकिंग व्यवस्था को या प्रिंट मीडिया में सूचना संप्रेषण की बात हो, मौसम विभाग में मौसम के अनुमान का विषय हो या वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों की कार्यप्रणाली हो, व्यापार सेवा, शिक्षा, मनोरंजन, खोजबीन, रक्षा आदि सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटरों का प्रयोग बहुत आम बात हो गई है। आज कम्प्यूटर को दूरसंचार की प्रणालियों की आत्मा माना जा रहा है।
3. कम्प्यूटर को मनुष्य के मस्तिष्क का सर्वाधिक सुसंगठित प्रतिरूप इसलिए माना जाता है क्योंकि भूमंडलीकरण के इस दौर में सूचना क्रांति के सूत्रधार कई जाने वाले कम्प्यूटर ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को गति प्रदान की है। कम्प्यूटर नेटवर्क ने पूरे विश्व को एक कर दिया है।
4. कम्प्यूटर के प्रयोग से जिन क्षेत्रों का काम आसान हुआ है उनमें– बैंकिंग व्यवस्था हो या प्रिंट मीडिया में सूचना संप्रेषण की बात हो, मौसम विभाग में मौसम के अनुमान का विषय हो या वैज्ञानिक अनुसंधान क्रेंदों की कार्यप्रणाली हो, व्यापार सेवा, शिक्षा, मनोरंजन, खोजबीन, रक्षा आदि क्षेत्रों में कम्प्यूटरों का प्रयोग बहुत आम बात हो गई है।
5. (क) कंप्यूटर (ख) टेक्नोलौजी
   (ग) टेलीफोन (घ) टेलीप्रिंटर
   (ङ) दूरसंचारउपग्रह

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

8. अखबार पढ़ो

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखे।
2. (क) हमें सभी जानकारियाँ घर बैठे समाचार-पत्रों से मिल जाती है।

(ख) अखबार पढ़ने से बहुत-सी महत्वपूर्ण सामाजिक घटनाओं, समस्याओं और विचारों, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक गतिविधियों की विभिन्न जानकारियाँ मिलती है।

(ग) जब हेमा सुबह अखबार नहीं पढ़ पाती है तो वह स्कूल से आकर दोपहर में अखबार पढ़ती है।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) ज्ञान (ख) रुचि (ग) व्यंग्य (घ) मज़ा
2. (क) हेमा को शुरू-शुरू में बहुत-सी बातें समझ में नहीं आती थीं। विशेषकर विदेशों के समाचार पढ़कर सोचती कि ये जगह कहाँ है।

   (ख) अखबार पढ़ने से देश की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक गतिविधियों की जानकारी मिलने के साथ-साथ ज्ञान बढ़ता है तथा भाषा में सुधार होता है तथा शब्द ज्ञान में बढ़ोत्तरी होती है।

   (ग) अखबार में कार्टून का बहुत महत्व है क्योंकि उनमें भारी व्यंग्य छिपा होता है। सच तो यह है कि कार्टून के माध्यम से बहुत सी महत्वपूर्ण सामयिक घटनाओं, समस्याओं और विचारों को समझने में मदद मिलती है।

मूल्याधारित प्रश्न

- वास्तव में अखबार पढ़ना लाभदायक है। समाचार-पत्रों के माध्यम से विविध-क्षेत्रों की विविध ज्ञानमयी जानकारी प्राप्त होती है। अखबार के माध्यम से हमे देश की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों की विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त होती है, उससे हमारा ज्ञानवर्धन भी होता है।

भाषा से

1. सामाजिक राजनीतिक बौद्धिक
   प्रजातांत्रिक लौकिक मौलिक
2. सुर्खियाँ – मोटे अक्षरों में लिखे समाचार
   समाजवाद – सामाजिक समता वाली शासन व्यवस्था
   निरंकुश – तानाशाह
   कार्टून – प्रहरी
   गुरिल्ला युद्ध – छापामार युद्ध

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. 'व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए अखबार पढ़ना नितांत आवश्यक है।' मैं इस कथन से पूर्णतया सहमत हूँ। क्योंकि अखबार के माध्यम से हमें देश-विदेश की विभिन्न गतिविधियों की राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक उपलब्धियों की जानकारी मिलती है।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
3. छात्र/छात्राएँ 'समाचार-पत्र' पर 80-85 शब्दों का अनुच्छेद स्वयं लिखें।
4. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
5. छात्र/छात्राएँ स्वयं सूची तैयार करें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ अपने मित्र/सखी को पत्र लिखें।

9. वीरों की पूजा

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।
2. (क) कविता 'वीरों की पूजा' विषय पर आधारित है।
   (ख) कविता में पूजन के लिए थाल सजाकर जा रहे हैं।
   (ग) अपने अटल स्वतंत्र दुर्ग पर शत्रुओं की आवाजों को सुनकर जवानों की टोली तलवारे लेकर निकल पड़ी।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (ii) पीला वस्त्र (✓) (ख) (i) देशहित हेतु (✓)
   (ग) (iii) चित्तौड़ देखना (✓)
2. (क) थाल सजाकर किसे पूजने,
   चले प्रातः ही मतवाले?
   कहाँ चले तुम रामनाम का,
   पीताम्बर तन पर डाले?

(ख) जहाँ आन पर माँ बहिनों ने,
जला-जला पावन होली,
वीर मंडली गर्वित स्वर से
जय, माँ की जय-जय बोली।

3. (क) प्रात: मतवाले थाल सजाकर राम नाम का पीतांबर तन पर डालकर जा रहे है।

(ख) कविता में माला-फूल वहाँ चढ़ाने को कहा गया है जहाँ सतियों के चरणों की धूल है।

(ग) कवि की आँखें तीर्थराज चित्तौड़ देखने को आतुर हैं।

मूल्याधारित प्रश्न

- (क)-(ख) छात्र/छात्राएँ स्वयं अर्थ स्पष्ट करें।

भाषा से

1.	(क) तलवार	–	असि,	निशाकर
	(ख) पावन	–	स्वच्छ,	पवित्र
	(ग) नदी	–	सरिता,	तटिनी
	(घ) फूल	–	पुष्प,	सुमन
2.	वीर मंडली	–	वीरों का मंडल	
	जौहर व्रत	–	जौहर का व्रत	
	राजपुत्र	–	राजा का पुत्र	
	पगधूल	–	पैरों की धूल	
	तीर्थराज	–	तीर्थों का राजा	
	गंगातट	–	गंगा का तट	

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

- 1, 2, 3 छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दे।

4. (क) बप्पा रावल (ख) राणा कुम्भा

(ग) राणा सांगा (घ) राणा प्रताप सिंह

(ङ) ???

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ चित्र बनाकर रंग भरिए तथा उचित शीर्षक भी दीजिए।

10. तानसेन

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।

2. (क) तानसेन के गुरु का नाम– हरिदास था।

(ख) तानसेन गायन कला जानते थे।

(ग) सम्राट अकबर वेश बदलकर आश्रम गए।

(घ) हरिदास अपनी स्वेच्छा से गाते थे।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (ii) तानसेन (✓) (ख) (i) तानसेन के गाते ही (✓)

(ग) (iii) आश्रम की ओर (✓)

2. (क) तानसेन का गीत सुनकर सारा दरबार मंत्रमुग्ध हो गया।

(ख) गाना समाप्त होने पर तानसेन की जय-जयकार हुई।

(ग) अकबर ने तानसेन को गले लगाकर कहा, "तुम हमारे दरबार का नहीं, बल्कि पूरे हिन्दुस्तान का गौरव हो।"

3. (क) सम्मान (ख) संगीतज्ञ

(ग) स्वेच्छा (घ) गायन

4. (क) अकबर को धर्म, साहित्य, कला व संस्कृति की बहुत गहरी समझ थी। वे अकसर विद्वानों से पुस्तके पढ़वाया करते थे और उनपर चर्चा किया करते थे। अकबर योग्य व गुणी व्यक्तियों का सदैव सम्मान करते थे। श्रेष्ठ कलाकारों को व अपने दरबार में ऊँचा स्थान दिया करते थे।

(ख) तानसेन ने गुरु हरिदास का गायन सुनने के लिए अकबर को सलाह दी कि– "यह तो असंभव है महाराज। उन्हें गायन के लिए नहीं कह सकता। वे अपनी स्वेच्छा से ही गाते हैं। यदि आपको उनका गायन सुनना है, तो साधारण आदमी के वेश में उनके आश्रम चलना होगा।

(ग) गुरु हरिदास का गायन सुनाने के लिए तानसेन को एक तरकीब सूझी। वे स्वयं गाने बैठ गए और एक कठिन राग गलत गाने लगे। गुरु हरिदास वहीं आसपास किसी काम में व्यस्त थे। गाना सुने तो दौड़े आए और डाँटने लगे– "यह क्या तानसेन! तुमसे मुझे ऐसी भूल की आशा न थी। क्या मैंने तुम्हें ऐसा ही सिखाया था?" गुरुदेव ने इतना कहकर सुधार के लिए गाना शुरू कर दिया; फिर क्या था! जैसे पूरा आश्रम उस दिव्य आवाज से गुंजायमान हो उठा।

मूल्याधारित प्रश्न

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दे।

भाषा से

1. (क) सम्राट अकबर को अपने कलाकारों पर नाज था।

   (ख) तानसेन से अधिक श्रेष्ठ गायक हरिदास थे।

   (ग) तुम्हारी आँखों में यह आँसू क्यों उभर आए?

   (घ) तानसेन को सम्राट अकबर ने राजमहल में बुलाया।

   (ङ) उनकी खुशी का ठिकाना न रहा।

2. | **विशेषण** | | **विशेष्य** |
   |---|---|---|
   | ऊँचा | – | स्थान |
   | मधुर | – | गायन |
   | उज्ज्वल | – | भविष्य |
   | मीठा | – | गला |
   | साधारण | – | वेश |
   | कलाप्रेमी | – | सम्राट |

3. (क) सम्राट राज्य सेना (नदी)

   (ख) वर्तमान (दिन) भविष्य अतीत

(ग) पक्षी	पंख	दाना	कुआँ
(घ) मूर्ख	गुरु	ज्ञान	आश्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. तानसेन के प्रारंभिक गुरु हरिदास थे जिनकी मज़ार के पास ही ग्वालियर में तानसेन की मज़ार बनी हुई है।
2. तानसेन ने भारतीय संगीत को बड़ा आदर दिलाया उन्होंने कई राग-रागनियों की भी रचना की। 'मियाँ की मल्हार', 'दरबारी कानड़ा', 'गूजरी टोड़ी' या 'मियाँ की टोड़ी' तानसेन की ही देन है। तानसेन कवि भी थे।
3. तानसेन के कहने पर अकबर गुरु हरिदास का गायन सुनने के लिए साधारण आदमी के वेश में वृंदावन चल दिए।
4. **अकबर के नवरत्न–**

   1. अबुलफजल 2. फैजी 3. तानसेन 4. बीरबल

   5. राजा टोडरमल 6. राजा मानसिंह 7. अबदुल रहीम खान खाना

   8. हकीम हुक्काम 9. मुल्ला दो पियाजा
5. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ इंटरनेट की सहायता से वर्तमान समय के महान संगीतकारों के बारे में जानकारी एकत्र करे।

11. चतुर लोमड़ी

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखे।
2. (क) रमेश बाबू दो रोज के लिए बाहर गए थे।

   (ख) रमेश बाबू के नौकरों के नाम थे– सेवाराम, खूबचंद तथा रामनरायण।

   (ग) सेवाराम अपने मालिक से दूसरे मालिक की बात कर रहा था।

   (घ) रमेश बाबू सेवाराम को अनाथाश्रम से लेकर आए थे।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (i) भूकंप आया हो (✓) (ख) (iii) खूबचंद, रामनरायन (✓)
   (ग) (iii) मेरा घर का काम करने का मन नहीं है। (✓)
2. (क) कुर्सियाँ ऐसी पड़ी हुई थी जैसे इनमें कुश्ती होने वाली है।
   (ख) तिपाई जैसे शीर्षासन करने जा रही है।
   (ग) चौबे का मुँह मिठाई को देखकर खुल जाता है।
3. (क) नौकरों (ख) अनाथाश्रम (ग) भूकंप
   (घ) पहरा
4. (क) रमेश बाबू गुस्से में इसलिए थे, क्योंकि वे कमरे की दशा देखकर परेशान थे, लगा कि जैसे कमरे में भूकंप आ गया हो और सब सामान उलट-पलट गया है।
   (ख) सेवाराम नौकरी इसलिए नहीं करना चाहता क्योंकि वह रमेश बाबू के यहाँ काम करते-करते परेशान हो गया था।
   (ग) सेवाराम का मालिक उसका ध्यान भली-भाँति रखता था।

मूल्याधारित प्रश्न

- (क)-(ख) छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

भाषा से

1.

क्रोध	–	गुस्सा	हिम्मत	–	साहस
खुशामद	–	चापलूसी	आवश्यकता	–	जरूरत
लिहाज़	–	संकोच	विचित्र	–	अजीब
बेसहारा	–	अनाथ	कुसूर	–	गलती

2. (क) घर का काम नहीं करेगा तो क्या बाहर का काम करेगा?
   (ख) अब कोई दूसरा मलिक खोज लिया है।
   (ग) तुझे बैठने से कौन रोकता है?
   (घ) मालूम होता है किसी बड़े मालिक के बल पर अपना होश-हवास खो बैठा है।

(ङ) मैं जीवनभर उनकी सेवा करता रहूँगा।

3. (क) अरे, कोई है?

(ख) मकान का हुलिया ही बिगड़ जाता है।

(ग) बाहर जाने पर सब नौकर से मालिक बन जाते है।

(घ) मैं सिर्फ़ उसी मालिक की सेवा करना चाहता हूँ।

(ङ) वह कौन-सा मालिक है जो रातभर नौकर का पहरा देता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. छात्र/छात्राएँ– 'योग और प्राणायाम' विषय पर 80-85 शब्दों में एक अनुच्छेद स्वयं लिखे।

2. **योग के प्रमुख आसन–** • श्वास क्रिया, • सूर्य नमस्कार, • श्वासन, • पादहस्त आसन, • कपालभाति क्रिया, • पद्मासन

3. **साहित्य की विधाएँ–** • कविता, • लघुकथा, • कहानी, • उपन्यास, • एकांकी, • नाटक, • प्रहसन (कामेडी), • निबंध, • रेखाचित्र, • जीवनी, • संस्मरण।

4. • **अनाथाश्रम–** अनाथ आश्रम में सिर्फ वही लोग रह सकते है जो अपंग, असाहय होते हैं तथा वे किसी भी प्रकार से लाचार होते है। जिनके पास रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं होता पर जिन्हें घर से निकाल दिया जाता है उन लोगों को अनाथ आश्रम अपना लेता है। इसमें ज्यादातर वृद्ध और अपंग लोग ही रहते हैं।

   • **विधवाश्रम–** महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले में महिला आश्रम संस्था का संचालन करती है इसमें 45 वर्ष आयु से कम विधवा और निराश्रित महिला प्रवेश ले सकती है।

   • **वृद्धाश्रम–** वृद्धाश्रम में साठ वर्ष से ऊपर के वृद्ध-वृद्धा रहते है इस आश्रम में रहने, कपड़े, बिस्तर, परामर्श सेवाएँ, चिकित्सा, देखभाल, टी.वी., रेडियो, धार्मिक प्रवचन, गंगा भ्रमण, भजन-कीर्तन, कूलर, इनवर्टर आदि सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। महिलाओं के लिए पृथक भवन रहता है।

5. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ इस विषय पर स्वयं एक लेख तैयार करें।

12. गणेश उत्सव

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।
2. (क) बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजों की नीति को आज से पूरे एक सौ तीस वर्ष पूर्व समझा।

   (ख) गणेशोत्सव का प्रारंभ सन 1892 में हुआ।

   (ग) लोकमान्य तिलक के प्रोत्साहन से पाँच भिन्न-भिन्न गणेश उत्सवों का आयोजन किया गया–

   पहला– ग्राम देवता श्रीकसबा गणपति

   दूसरा– श्री जोगेश्वरी

   तीसरा– श्री खागजीवाले

   चौथा– श्रीमंत दगडूसेठ हलवाई

   पाँचवाँ– मंडई गणपति

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (i) गणेश जी की (✓) (ख) (ii) राष्ट्रीय एकता (✓)

   (ग) (iv) दस दिन (✓)
2. (क) सन् 1892 में गणेशोत्सव प्रारम्भ हुआ।

   (ख) स्वतंत्रता से पूर्व इसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता था।

   (ग) कोई भी व्यक्ति गणेशोत्सव का आयोजन कर सकता है।

   (घ) आज गणेशोत्सव भारतीय एकता का प्रतीक बन गया है।
3. (क) स्वतंत्रता से पूर्व इसका उद्देश्य 'राष्ट्रीय एकता' था।

   (ख) दस दिन तक चलने वाले इस उत्सव में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सांस्कृतिक झाँकियाँ निकाली जाती है।

(ग) सन 1892 में नाना साहेब खाजगीवाले ग्वालियर गए थे। वहाँ उन्होंने पहली बार लोगों को गणेश उत्सव मनाते देखा।

4. (क) गणेश उत्सव सन 1892 मे महाराष्ट्र में राष्ट्रीय एकता के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया।

(ख) कोई भी व्यक्ति अपने नाम से 'गणेशोत्सव' का आयोजन कर सकता है, आयोजन का खर्च वह व्यक्ति ही उठाता है। अपने संबंधियों और मित्रों को आमंत्रित करता है। दस दिन तक उनके भोजन और रहने की व्यवस्था करता है, अपने घर में किसी स्थान पर मिट्टी की बनी गणेश की प्रतिमा स्थापित करवाता है।

(ग) आज गणेशोत्सव भारतीय एकता का प्रतीक बन गया है। इसमें सभी धर्मों और जातियों के लोग भाग लेते हैं। उनके मध्य भेदभाव की दीवारें गिर जाती हैं और पूरा राष्ट्र एक सूत्र में बँधा दिखाई पड़ता है।

मूल्याधारित प्रश्न

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1. (क) दो बैलों की कथा 'मुंशी प्रेमचंद' द्वारा लिखी गई कहानी है।

(ख) नेताजी ने कहा, "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।"

(ग) "जाओ यहाँ से चले जाओ", चीखते हुए भाई ने कहा।

(घ) अब तक की फ़िल्मों में 'तारे जमीं' पर सबसे अच्छी फ़िल्म है।

2.

धर्म	–	अधर्म	विकास	–	विनाश
फूट	–	एकता	पूर्ण	–	अपूर्ण
एक	–	अनेक	उपस्थित	–	अनुपस्थित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. अंग्रेज़ 'फूट डालो, राज्य करो' की नीति पर इसलिए क्यों चलते थे कि आपसी मतभेद पैदाकर के उनपर अपना आधिपत्य स्थापित कर सकें।

2. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

3. (क) जय हिंद (x) सुभाष चंद्र बोस

(ख) दिल्ली चलो (ix) सुभाष चंद्र बोस

(ग) जय जवान, जय किसान	(viii) लाल बहादुर शास्त्री
(घ) करो या मरो	(vii) महात्मा गांधी
(ङ) वंदे मातरम्	(vi) बंकिम चंद्र चटर्जी
(च) इंकलाब ज़िंदाबाद	(v) भगत सिंह
(छ) आराम हराम है	(iv) जवाहरलाल नेहरू
(ज) सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है	(iii) पंडित रामप्रसाद बिस्मिल
(झ) साइमन वापस जाओ	(ii) लाला लाजपत राय
(ञ) जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान	(i) अटल बिहारी वाजपेयी

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ स्वयं लेख लिखे तथा कक्षा में सुनाएँ।

13. आलस

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।
2. (क) आलसी बच्चे कोई काम नहीं करते हैं।
   (ख) आलस हमें सुख नहीं देता है बल्कि वह हमारे शरीर का नाश करता है।
   (ग) आलस करने से लाभ नहीं नुकसान होता है।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (i) जो आलस करते हैं। (✓) (ख) (iii) बढ़ाता है (✓)
   (ग) (iii) सभी (✓)
2. इच्छाओं को मार गिराता,
   कभी न उत्साह मन में आता।
   आलस से जो करते प्यार,
   पल-पल पर करते संहार।

3. (क) आलस छोड़ने से तन में उत्साह आता है।

(ख) हमें आलस का दास नहीं बनना है।

(ग) हमें आलस को दूर भगाना है।

4. (क) निश्चय करने से उत्साह होता है जिससे आप बाद में पछताओगे नहीं।

(ख) हम अपना काम समय पर करें, समय पर प्रातः काल उठें तथा कोई भी काम बाद के लिए न छोड़ रखें।

(ग) इस कविता से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें आलस को छोड़ देना चाहिए क्योंकि आलस से अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

मूल्याधारित प्रश्न

- छात्र/छात्राएँ स्वयं इसका अर्थ बताएँ।

भाषा से

1. गेदा – गेंदा रग – रंग घमड – घमंड

   मागी – माँगी हू – हूँ फलो – फलों

2. कमल (✓) (ख) थोड़ा (✓) (ग) बिरंगे (✓)

3. विकट + ता विकटता

   साम्य + ता साम्यता

   वास्तविक + ता वास्तविकता

   पारिवारिकता + ता पारिवारिकता

   नैतिक + ता नैतिकता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. 'आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।' मैं इस बात से पूर्णतया सहमत हूँ क्योंकि आलसी व्यक्ति जीवन में कभी भी उन्नति नहीं कर सकता है। आलस करने से व्यक्ति का शरीरिक, बौद्धिक तथा आर्थिक विकास नहीं हो पाता है।

2. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

3. आलस्य आने से आप अपना कार्य कल पर आल देते हैं जिससे आप कार्य समय पर समाप्त नहीं कर पाते हैं और आप असफल हो जाते है। आलस्य के

कारण आप सुबह उठ नहीं पाते है, जिससे आपके पास कम समय बचता है और आप जल्दी-जल्दी अपना कार्य निपटाते है, जिसमें कि बहुत सी गलतियाँ हो जाती है।

4. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

•	**लाभ**	**हानियाँ**
	1. भरपूर नींद मिलेगी	सुबह नहीं उठ पाते है
	2. अपना पसंदीदा टीवी सीरिज देख पाएँगे	काम समय पर नहीं कर पाते हैं
	3. प्रकृति का आनंद उठा पाएँगे	काम में गलतियाँ बहुत होती है
	4. चिड़चिड़ापन कम हो जाएगा	विद्या नहीं मिलती है
	5. आह से आहा तक का मजा ले पाएँगे	धन नहीं मिलता है

14. हमारा राष्ट्रगान

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।
2. (क) राष्ट्रगान रवीन्द्र नाथ टेगौर ने लिखा।
   (ख) राष्ट्रगान दिसम्बर 1911 में लिखा गया।
   (ग) राष्ट्रगान गाने में 52 सेकंड लगता है।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (i) रवीन्द्रनाथ टैगोर ने (✓)
   (ख) (iv) 52 सेकंड (✓)
   (ग) (i) सावधान की मुद्रा में होना चाहिए (✓)
2. जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
   भारत भाग्य विधाता।

पंजाब–सिंधु–गुजरात–मराठा

द्राविड़–उत्कल–बंग।

3. (क) सब तेरे नाम पर जाग उठते हैं, सब तेरे पवित्र आशीर्वाद पाने की अभिलाषा रखते हैं और सब तेरे ही जयगाथाओं का गान करते हैं।

(ख) भारत के नागरिक, भारत की जनता, आपको अपने मन से, भारत का भाग्य विधाता मानती है।

4. (क) राष्ट्रगान पहली बार 27 दिसंबर, 1911 का यह कांग्रेस मंच पर गाया गया था।

(ख) स्वतंत्रता के बाद 24 जनवरी, 1950 को भारत सरकार ने इसी गान को राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार कर इसे मान्यता प्रदान की।

(ग) राष्ट्रगान की ध्वनि कानों में पड़ते ही हमें सावधान होकर खड़े हो जाना चाहिए और जब तक यह समाप्त नहीं हो जाता है, तब तक ऐसे ही खड़े रहना चाहिए।

मूल्याधारित प्रश्न

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1. थाली – थालियाँ दूल्हा – दूल्हे शाखा – शाखाएँ
पत्ता – पत्ते बकरी – बकरियाँ दवा – दवाएँ
लकड़ी – लकड़ियाँ धर्मानुयायी – धर्मानुयियों

2. (क) पीपल से दवाईयाँ बनती हैं।

(ख) पक्षी फल बड़े चाव से खाते हैं।

(ग) ऑक्सीजन हमारे जीवन का आधार है।

(घ) महिलाएँ गाँव से बाहर ग्राम देवता की ओर चल पड़ीं।

(ङ) रंग-बिरंगे धागे लिपटे थे।

3.

विज्ञान	वि + ज्ञान		अभय	अ + भय	
अभिशाप	अभि + शाप		परिश्रम	परि + श्रम	
प्रयोग	प्र + योग		दुर्घटना	दुः + घटना	

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. राष्ट्र गान का सम्मान करना हमारा मूलभूत कर्तव्य है। मैं इस कथन से पूर्णतया सहमत हूँ। क्योंकि देशवासियों में देश भक्ति के लिए इसकी रचना की गई है। राष्ट्रगान महान है, इसे सम्मान देना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है।
2. राष्ट्रीय गीत की रचना बंकिमचन्द्र चटर्जी ने संस्कृत में की। यह 28 फरवरी, 1919 को लिखी गई। यह पहली बार राष्ट्रीय कांग्रेस के 1896 के सत्र में गाया गया था।
3. बांग्लादेश का राष्ट्रीय गीत– आमार शोनार बाङ्ला (मेरा सोने का बंगाल या मेरा सोने जैसा बंगाल) बांग्लादेश का राष्ट्रगान है, जिसे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा था। यह बांग्ला भाषा में है।
4. छात्र/छात्राएँ– 'भारत के राष्ट्रीय प्रतीक' विषय पर 80-85 शब्दों में एक अनुच्छेद स्वयं लिखे।
5. छात्र/छात्राएँ– मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्य को चार्ट पेपर पर सुंदर अक्षरों में लिखकर कक्षा में टाँगे।

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ स्वयं तिरंगे का चित्र बनाएँ।

15. वाह! डॉक्टर बाबू

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखे।
2. (क) डॉक्टर विश्वंभर बाबू सप्तग्राम जा रहे थे।

   (ख) शंभू विश्वंभर बाबू का नौकर था।

   (ग) डॉक्टर बाबू ने चरवाहे से पूछा– "क्यों बेटा, बता सकते हो, सप्तग्राम कितनी दूर है?"

   (घ) डाकुओं का मुकाबला डॉक्टर विश्वंभर बाबू का नौकर शंभु ने किया।

   (ङ) विश्वंभर बाबू ने डाकुओं की मरहम-पट्टी की।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (iii) उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई (✓)

   (ख) (i) सप्तग्राम दूर था (✓)

   (ग) (i) शंभू ने हिम्मत से मुकाबला किया (✓)

   (घ) (ii) डाकुओं की (✓)

2.

	किसने कहा?	किससे कहा?
(क)	विश्वंभर बाबू ने	चरवाहा से
(ख)	शंभू ने	विश्वंभर बाबू से
(ग)	शंभू ने	विश्वंभर बाबू से

3. (क) शंभू को रीछ कुंभीरा के जंगल में मिला।

   (ख) शंभू के हाथ में लाठी थी।

   (ग) शंभू रीछ से भिड़ गया। दोनों के बीच जमकर लड़ाई हुई। शंभू की मार से रीछ की हड्डी टूट गई। उसमें हिलने तक का दम नहीं था।

4. (क) शंभू का शौक जोखिम उठाना था।

   (ख) शंभू लाठी लेकर रीछ से भिड़ गया। दोनों में जमकर लड़ाई हुई।

   (ग) शंभू की मार से रीछ की हड्डी टूट गई। उसमें हिलने तक का दम नहीं रहा।

5. (क) शंभू को जोखिम उठाना पसंद है क्योंकि वह उसका शौक है।

   (ख) शंभू की मार से रीछ की हड्डी टूट गई।

मूल्याधारित प्रश्न

- हमें जानवरों के प्रति प्रेम, दया और सहानुभूति का व्यवहार रखना चाहिए।
- छात्र/छात्राएँ स्वयं इस प्रश्न का उत्तर दें।
- नहीं बेजुबान जानवरों को पीटना अच्छी बात नहीं है।

भाषा से

1. (क) फागुन के महीने की बात है।

   (ख) डॉक्टर बाबू पालकी में सवार होगर सप्तग्राम जा रहे हैं।

(ग) स्टीमर घाट के स्टेशन मधु विश्वास का बेटा बीमार है।

(घ) वह विश्वंभर बाबू के साथ स्वर्गगंज गया था।

(ङ) विश्वंभर बाबू और शंभू दोनों ने मिलकर तीनों डाकुओं की मरहम पट्टी की।

2. जाड़ा – गरमी बलवान – कमज़ोर

ज़मीन – आसमान रोगी – निरोगी

हलकी – भारी

3. (क) जोखिम उठाना– (खतरा मोल लेना) सरहद पर सैनिक जोखिम उठाकर हमारी रक्षा करते है।

(ख) हाथ-पाँव फूलना– (डर से घबरा जाना) अचानक माताजी की हृदय घात की बात सुनकर मेरे हाथ-पाँव फूल गए।

(ग) टूट पड़ना– (अचानक से समस्या आना) देश पर आर्थिक संकट का पहाड़ टूट पड़ा है।

(घ) सिर पर पाँव रखकर भागना– (डर के कारण तेजी से भागना) कुत्ते को देखकर बिल्ली सिर पर पाँव रखकर भागी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. आज से लगभग सौ वर्ष पूर्व लोग पालकी, बग्घी या बैलगाड़ी से चलते थे। यह सही है इसका प्रमुख कारण यह था कि उस समय आने-जाने का साधन इतने नहीं थे जितने अब उपलब्ध हो गए है आने-जाने का रास्ता भी ठीक नहीं था।

2. विश्वंभर बाबू रात में ही बीमार व्यक्ति के इलाज के लिए सप्तग्राम चल दिए। यह उनकी उदारता, महानता और कर्तव्य परायणता थी। लेकिन अब वर्तमान के डॉक्टर ऐसा नहीं कर सकते उदाहरण के लिए आप प्रेमचंद की कहानी– 'मंत्र' इसका ज्वलंत उदाहरण है।

3. छात्र/छात्राएँ इंटरनेट से जानकारी स्वयं प्राप्त करें।

4. छात्र/छात्राएँ कक्षा में अपने सहपाठियों के साथ रवींद्रनाथ टैगोर की कहानी– 'काबुलीवाला' पढ़े।

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

16. मैं और मेरा देश

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।
2. (क) स्वामी रामतीर्थ जापान जा रहे थे।

   (ख) देशवासियों के अच्छे कार्यों से देश का सम्मान बढ़ता है।

   (ग) स्वामी रामतीर्थ ने जापान के बारे में कहा– "जापान के रेलवे स्टेशनों में शायद अच्छे फल नहीं मिलतें।"

   (घ) दूसरी घटना में युवक ने सरकारी पुस्तकालय से पढ़ने के लिए लाई गई पुस्तक के पन्नों के दुर्लभ चित्रों को फाड़कर अपने देश का सिर झुका दिया।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) (ii) जापान (✓) (ख) (i) फल (✓) (ग) (iii) फल (✓)
2. (क) युवक सरकारी पुस्तकालय से पुस्तक पढ़ने के लिए लाया था।

   (ख) पुस्तक में कुछ दुर्लभ चित्र थे।

   (ग) पुस्तकालय में इस विद्यार्थी का प्रवेश तो वर्जित है ही, उसके देश के निवासियों का भी प्रवेश वर्जित है।
3. (क) देश के सम्मान की रक्षा के लिए हमें कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे देश की बदनामी हो।

   (ख) स्वामी रामतीर्थ से अपने देश के विषय में सुनकर जापानी युवक भागकर कही दूर से एक टोकरी ताजे फल ले आया। उसने वे फल स्वामी रामतीर्थ को भेट किए और कहा– "लीजिए आपको फलों की जरूरत थी।"

   (ग) स्वामी रामतीर्थ जापानी युवक से यह सुनकर कि– "आप इनका मूल्य देना चाहते है, तो अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान के रेलवे स्टेशनों पर अच्छे फल नहीं मिलते। स्वामी जी युवक का यह उत्तर सुनकर मुग्ध हो गए।

   (घ) दूसरी घटना में युवक को दंड इसलिए दिया गया क्योंकि उसने सरकारी पुस्तकालय से पढ़ने के लिए लाई गई पुस्तक के कुछ दुर्लभ चित्रों के पन्नों को फाड़ लिया था।

मूल्याधारित प्रश्न

- छात्र/छात्राएँ स्वयं अपना विचार दें।

भाषा से

1. (क) मान – सम्मान अपमान विमान
   (ख) देश – स्वदेश विदेश परदेश
   (ग) फल – फलाहार फलवान फलीय
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. हाँ, मैं यह मानता हूँ कि देशवासियों के अच्छे कार्यों से देश का सम्मान बढ़ता है, और उनके बुरे आचरण से देश के सम्मान को ठेस पहुँचती है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण– युवक द्वारा स्वामी रामतीर्थ को दिए गए ताजे फल की टोकरी तथा दूसरा उदाहरण सरकारी पुस्तकालय से पढ़ने के लिए ली गई पुस्तक के कुछ दुर्लभ चित्रों के पन्ने फाड़ना है।
2. छात्र/छात्राएँ, जानकारी प्राप्त कर स्वामी रामतीर्थ के बारे में लिखें।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
4. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

17. मेरा अतिथि

पाठ से

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों को सुनकर लिखें।
2. (क) लेखक चिकित्सक के कहने पर लेखक हवा बदलने के लिए देवघर गया था।
   (ख) कुत्ता सयाना था। रोग के कारण पीठ के रोएँ झड़ गए थे। जरा लँगड़ा कर चलता था।

(ग) लेखक को जो लोग ट्रेन में सवार कराने आए थे, उन सबको उन्होंने (लेखक ने) बख्शिश दिया।

(घ) लेखक के अतिथि को उपवास इसलिए करना पड़ा क्योंकि मालिन बचा हुआ सारा खाना उठा ले गई थी।

लिखिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

1.	**किसने कहा?**	**किससे कहा?**
	(क) लेखक ने	नौकर से
	(ख) लेखक ने	कुत्ता से
	(ग) लेखक ने	कुत्ता से

2. छात्र/छात्राएँ क्रमानुसार वाक्य लिखें।

3. (क) लेखक मित्र के यह कहने पर कि– "चलिए दादा, आज जरा टहल आए।" स्वास्थ्य के कारण टहलने के नाम पर आनाकानी करते हुए टाल जाते थे।

(ख) कुत्ते को खिलाने के नाम पर बाग की माली की स्त्री को आपत्ति थी।

(ग) अतिथि का मालिन से डर लेखक की वजह से चला गया।

(घ) लेखक के जाने के दिन अतिथि बहुत व्यस्त था, कुलियों के साथ बराबर दौड़कर, भीतर-बाहर आ-जाकर चौकसी करने लगा, जैसे वह देखभाल कर रहा हो कि कहीं कुछ खो न जाए या छूट न जाए। सबसे अधिक उत्साह उसी में नजर आ रहा था।

मूल्याधारित प्रश्न

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

भाषा से

1.	**बहुवचन**	**लिंग**
	(क) अतिथियों	पुल्लिंग
	(ख) नौकरों	पुल्लिंग

(ग) फाटकों पुल्लिंग

(घ) लालटेनों पुल्लिंग

(ङ) बरामदों पुल्लिंग

(च) रसोइयों पुल्लिंग

(छ) हिस्सों पुल्लिंग

2. (क) अतिथि – मेहमान यज्ञ में होम संबंधी कार्य करने वाला अनुचर

(ख) नौकर – सेवक भृत्य

(ग) शरीर – वयु तनु

(घ) मित्र – दोस्त सखा

(ङ) स्त्री – भार्या पत्नी

3. (क) सकर्मक क्रिया (ख) अकर्मक क्रिया

(ग) अकर्मक क्रिया (घ) सकर्मक क्रिया

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. लेखक ने सड़क के लावारिश कुत्ते को अतिथि कहकर सम्मान इसलिए दिया क्योंकि वह कुत्ता बिना बुलाए लेखक के फाटक पर आ गया था।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
4. (1) राम चंद्र शुक्ल, (2) सुभ्रदाकुमारी, (3) रवींद्रनाथ, (4) प्रेमचंद, (5) शैलेश मटियानी, (6) महादेवी वर्मा, (7) सूर्यकांत त्रिपाठी, (8) जयशंकर प्रसाद

रचनात्मक गतिविधियाँ

- छात्र/छात्राएँ प्रश्नों का उत्तर स्वयं दें।